मेरे दोस्त की सेक्सी गर्लफ़्रेन्ड

“उसने अचानक मेरे लंड पर अपना हाथ रख दिया और बताने लगी- सौरभ मुझे कभी संतुष्ट नहीं कर पाता ! उसका लंड पतला और छोटा है, मैं तुम्हारे लिए पागल हो गई हूँ, मुझे तुम्हारे शरीर की गठीलापन बहुत आकर्षित करता है। …”

Story By: राहुल कुमार (rajfire_rajlove)
Posted: Tuesday, October 16th, 2012
Categories: कोई मिल गया
Online version: मेरे दोस्त की सेक्सी गर्लफ़्रेन्ड

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरे दोस्त की सेक्सी गर्लफ़्रेन्ड

मेरा नाम राहुल है, मैं देखने में सांवला हूँ, कद 5 फीट 6 इंच है, बदन गठीला है, 25 साल का हूँ।

यह कहानी 3 साल पहले की है, मैंने बहुत लोगों की कहानियाँ पढ़ी तो मैं भी प्रेरित हुआ कहानी लिखने को !आपको अगर कहानी अच्छी लगे तो मेरा उत्साहवर्धन करें !

मैं अब मुंबई में रहता हूँ, पर यह कहानी तब की है जब मैं भोपाल में एक फ़्लैट किराये पर लेकर रहता था, वहाँ मेरे कई दोस्त थे, एक दोस्त था सौरभ, उसकी एक हॉट गर्लफ्रेंड थी, रिया नाम था था !

19 साल की रिया के बारे में क्या कहूँ, 5 फीट 5 इंच लम्बी, गोरी और 36-28-34 का उसका फिगर था, उसे देखते ही लण्ड में एक अजीब सुरूर हो जाता था।

मैं फ्लैट किराये पर लेकर अकेला रहता था पर सौरभ का अपना घर था, वो अपनी गर्लफ्रेंड को अपने घर ले नहीं जा सकता था, तो वह मेरे फ्लैट पर ही उससे मिलता था, कमरा बंद कर के, दरअसल वो चुदाई करता था, मैं फ्लैट बाहर से बंद करके चला जाता था और वो लोग अन्दर 2-3 घंटे तक चुदाई-मस्ती करते थे, जब मुझे कॉल करते, तब मैं आकर बाहर से फ्लैट खोलता था, और वो लोग चले जाते थे।

जब भी रिया मेरे यहाँ आती तो मुझे एक सेक्सी निगाह से देखती थी और कभी कभी अपनी चूची मुझसे सटा देती थी। मेरा दोस्त इस बात से अनभिज्ञ था, मैं उसकी आँखों में अपने लिए सेक्स देख चुका था, तब मुझे भी कभी कभी मन करता था कि इसकी चुदाई कर ही डालूँ, लेकिन फिर दोस्त की गर्लफ्रेंड का ख्याल करके छोड़ देता था।

जब वो लोग चुदाई करके निकलते थे तो रिया संतुष्ट नहीं दिखती थी, वो बार बार मुड़ कर मुझे देखा करती थी, बाय कहती और फ्लायिंग किस देती थी, मेरा दोस्त सोचता था कि ऐसे ही कर रही होगी।

एक दिन की बात है, एग्ज़ाम ख़त्म हुए और कॉलेज में छुट्टियाँ हो गई थी, सब लोग घर जा चुके थे, मैं कुछ दिनों के बाद जाने वाला था। सौरभ अपने परिवार के साथ कहीं दूर पर चला गया था। दिन के दो बज रहे थे, गर्मी का दिन था, मैं लोअर पहने फ्लैट में था। अचानक दरवाजे पर किसी ने दस्तक दी, मैंने जाकर देखा तो रिया थी, गर्मी से परेशान, पसीने में भीगी हुई टॉप और जींस में गजब की दिख रही थी।
मैं उसे अकेला देख कर हैरान हो गया।

खैर, रिया अन्दर आई, मैंने दरवाजा बंद किया, मैं जब पानी लेकर आया तो उसने देखा टॉप निकाल दिया था और ब्रा के ऊपर से मेरा मेरा पतला तौलिया लपेटा हुआ था।
मैंने बोला- यह क्या है ?
तो कहने लगी- गर्मी बहुत है।

मेरा लण्ड कब खड़ा हो गया, मुझे पता भी नहीं चला। नीचे जब मैंने देखा तो मेरा 7 इंच का लंड पूरा फॉर्म में खड़ा था।
मैं उसे छिपाने के लिय बैठ गया।

उसने अचानक मेरे लंड पर अपना हाथ रख दिया और बताने लगी- सौरभ मुझे कभी संतुष्ट नहीं कर पाता ! उसका लंड पतला और छोटा है, मैं तुम्हारे लिए पागल हो गई हूँ, मुझे तुम्हारे शरीर की गठीलापन बहुत आकर्षित करता है।

मुझे कुछ भी समझ में नही आ रहा था, वो मेरे लंड को सहलाती जा रही थी और मैं मदहोश होता जा रहा था। उसने मेरे लण्ड को लोअर से निकाल लिया !

अचानक वो मेरे लंड को अपने मुँह में लेकर चूसने लगी, अब मैं बिल्कुल गर्म हो चुका था और उसके मुख की गर्मी से मेरा लंड उफान पर था, मैंने उसे अपनी बाँहों भर लिया और चूमाचाटी करना चालू कर दिया।
उसके होंट इतने अच्छे थे, मुझे बहुत मज़ा आ रहा था, वो पूरा सहयोग कर रही थी जैसे वो आज मुझसे चुदने के ही पूरे मूड में आई थी।

मुझे भी बहुत दिनों से कोई चूत नसीब नहीं हुई थी, मैं उसे पूरे जोश से चूमने लगा, उसके होंट, उसका चेहरा लाल हो गया। किस करते करते मैं उसकी चूचियों को सहलाने लगा और उसकी ब्रा का हुक खोल दिया, वो मेरे सामने अधनंगी हो गई। मै उसे फिर से किस करने लगा और उसकी चूचियों को मसलने लगा, उसकी चूचियाँ बहुत अच्छी गोलाई में थी और बहुत सुन्दर सुडौल थी।

मैं चूचियों को अपने मुँह में लेकर चूसने लगा, वो मदहोश हो रही थी। मैं बहुत देर तक उसकी चूचियों को चूसता रहा।

अब मैंने उसकी जींस और पैंटी निकाल दी तो देखा कि उसकी चूत पानी छोड़ रही है, मैं उसकी चूत को चाटने लगा, वो ताजा ताजा ही अपनी चूत को चिकनी चमेली बना कर के आई थी।

वो उई अह करने लगी, मैंने अपना काम चालू रखा, जीभ से उसकी फ़ुद्दी को चोदने लगा, वो सिसकार रही थी- ओ राहुल, तुम बहुत अच्छा कर रहे हो, और चूसो मेरी फ़ुद्दी को, सौरभ तो फ़ुद्दू है चुदाई करने में ! मेरी चूत को फाड़ डालो, लण्ड से चोदो ! तुमसे चुदने को मैं कब से बेताब थी, आज मेरी इच्छा पूरी हो रही है !

फिर से उसकी चूत से पानी निकल आया, वो बहुत हॉट हो रही थी, अब मैंने अपना लण्ड जो उफान पर था, रिया की गीली योनि में घुसाने लगा, मेरा लौड़ा मोटा था, तो वो अह

इह करने लगी, बोली- धीरे से डालो !
मैंने कहा- रिया रानी आज तो मैं तेरी चूत को फाड़ दूंगा !

थोड़ा झटका दिया तो आधा लंड अन्दर चला गया, वो दर्द में मज़े ले रही थी, मैंने इस बार थोड़ा और तेज़ धक्का दिया और पूरा लंड अन्दर चला गया।
वो इस बार चिल्लाई- मेरी चूत फट गई रे !

मैं कुछ देर तक ऐसे ही रुके रहा और उसकी चूची को सहलाने लगा, थोड़ा चूमा, चाटा तो रिया थोड़ी शांत हुई, उसके बाद मैंने लण्ड को अन्दर बाहर करना चालू किया। उसकी चूचियाँ हिल रही थी, मैं उसकी चूचियों को पकड़ कर चोदने लगा। मैंने उसे फिर कुतिया बना कर चोदा तो पूरा लंड अन्दर जा रहा था।
वो 'और जोर से चोदो !और चोदो !' किए जा रही थी।

मैंने जोर जोर से धक्का देना चालू कर दिया, मुझे ऐसी चूत पहले कभी नहीं मिली थी, मैं खूब मज़े लेकर चोद रहा था। वो बहुत साथ दे रही थी। उसको चोदने में जो मज़ा आ रहा था, क्या बताऊँ !उसकी चूत पूरी तरह से गद्देदार थी और कसी हुई थी।

सौरभ उसका पहला प्रेमी था और उसे संतुष्ट नहीं कर पाता था पर आज वो चुदने के पूरे मज़े ले रही थी।

फिर हम लोगों ने आसन बदला, वो ऊपर आ गई और मस्ती में अपनी कमर को हिला हिला कर चुदवाने लगी। कुछ देर के बाद मैं झड़ने लगा, मैंने कहा- रानी, मैं आ रहा हूँ।
उसने कहा- अन्दर ही डालो !
और मैं झड़ गया, पूरा वीर्य उसकी चूत में गिरा दिया और हम लोग अलग हो गये।

फिर वो मेरे ऊपर ही गिर गई और मुझे जोर से सीने से लगा दिया और बोलने लगी- आज

मैं संतुष्ट हुई, ऐसे ही लण्ड की मुझे जरूरत है।

उसके बाद मैंने फिर आधे घंटे के बाद चोदा और वो चली गई। उसके बाद जब भी मौका मिलता वो मुझसे चुदने को चली आती, और मैं भी उसे हर बार संतुष्ट करके भेजता था।

यह कहानी कैसी लगी, मुझ जरूर बताइएगा।

rajfire_rajlove@yahoo.co.in

3369

Other stories you may be interested in

प्यार की नयी परिभाषा

मेरा नाम हिमांशु है और मैं छत्तीसगढ़ के दुर्ग शहर में रहता हूं. आज मैं आपको अपनी जिंदगी में घटी सबसे बड़ी घटना बताने जा रहा हूं. यह बात तब की है जब मैं बाहरवीं कक्षा में पढ़ता था. मेरी […]
Full Story >>>

मौसेरे भाई बहन के साथ थ्रीसम सेक्स-1

दोस्तो, मैं मोनिका मान हिमाचल की रहने वाली हूँ. मेरी पिछली कहानी भाई की दीवानी पढ़ कर कुछ अन्तर्वासना के पाठकों ने मुझे नया नाम चुलबुली मोनी दिया है, जो मेरे ऊपर सही जंचता है. मेरी पिछली कहानियों के लिए […]
Full Story >>>

ताऊ जी का मोटा लंड और बुआ की चुदास

जो कहानी मैं आप लोगों को सुनाने जा रहा हूं वह केवल एक कहानी नहीं है बल्कि एक सच्चाई है. मैं आज आपको अपनी बुआ की कहानी बताऊंगा जो मेरे ताऊ जी के साथ हुई एक सच्ची घटना है. आगे […]
Full Story >>>

नयी पड़ोसन और उसकी कमसिन बेटियां-3

कामुकता भरी मेरी सेक्स स्टोरी में अभी तक आपने पढ़ा कि गुप्ताइन की बेटी डॉली कानपुर से लखनऊ एक पेपर देने गई थी. पेपर देने के बाद वहां होटल में चुदाई के खूब मजे लेने के बाद दूसरे दिन कानपुर […]
Full Story >>>

नयी पड़ोसन और उसकी कमसिन बेटियां-2

कमसिन कॉलेज गर्ल के साथ मेरी सेक्स कहानी में अभी तक आपने पढ़ा कि डॉली को चोदने के बाद हम दोनों नंगे ही लिपटकर सो गये. अब आगे : रात को तीन बजे पेशाब लगी तो मेरी नींद खुल गई. पेशाब […]
Full Story >>>